भ्रामक समाचार, हल्ला आ अफवाहसभसँ जेना जनजिवन अस्त व्यस्त बनेने छलै, अखन कोरोना भाईरसके महामारीके अवस्था सेहो तेहने छैक । हमसभ् मिलक एकर निराकरणमे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह क सकैत छी । एहिके लेल अपनासभके विश्वसनिय आ श्रोत खुलल सहि सूचना निर्णायक तहतक प्रवाह क सकैत छी ।

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके द्वरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

लकडाउनको समयमा मान्छेहरु कालिमाटी तरकारी बजारमा कोरोना भाईरस परिक्षण गर्न लाईनमा बसेर कुर्दै

तस्बिर: प्रबिन रानाभाट

कोभिड - १९ के लेल केश अनुसन्धान तथा कन्ट्याक्ट जाँच पड्ताल टीम

जम्मा स्थानीय तह	जम्मा टीम संख्या	जम्मा टीममे संलग्न प्राविधिक जनशक्ति
७५४	१,०७५	३,२२५

टीम कि करैत अछि ?

केश अनुसन्धान	कन्ट्याक्टमे आयल व्यक्तिसभके पहिचान	सामान्य परामर्श, फलोअप तथा रेफर
नमुना संकलन या द्रुत परिक्षण	तथ्यांक संकलन, विश्लेषण तथा विश्लेषणात्मक प्रतिवेदन	सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन
सञ्चार, समन्वय आ सहकार्य	स्थानीय तहमे सञ्चालित स्वास्थ्य सेवासभमे आवश्यक प्राविधिक सहयोग	आरो सरुवा रोगसभके प्रकोप व्यवस्थापन

स्रोत: file:///C:/Users/Envy%20.LAPTOP-G3GSOOUC/Downloads/Final-Approved-Version-CICTT-Guidelines-MoHP-13-May-2020(1).pdf

हल्ला र तथ्य

लकडाउनके समयमे लक्षित बर्गके थप पौष्टिक आहार देब कहि सुनैत छी । तेकर मतलब कि भेल ?

कोभिड - १९ प्रभावित क्षेत्रके लक्षित वर्गमे परवला ६ सँ ५९ महिना तकके बालबालिकासभके प्रतिदिन १०० ग्राम, गर्भवति, प्रसौत एवं जेठ नागरिकसभके प्रतिदिन २०० ग्रामक दर सँ एक महिनातक के लेल पौष्टिक आटा (Super Cereal, Wheat Soya Blend or WSB+) वितरण करब कहलगेल अछि ।

स्रोत: https://mofaga.gov.np/

सरकार घुम्ती दोकान सञ्चालनमे अनलक कहैत अछि, लेकिन हमरासभके घरदिस कहियो नै अबैय त ?

साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरेशन लिमिटेड सँ ललितपुर, कालीमाटी, सतुंगल, कोटेश्वर, भक्तपुर आ बनेपा स्थित विक्रि केन्द्र सँ सञ्चालित घुम्ती सेवा दोकान (मोबाईल भ्यान) मार्फत जनघनत्व आ उपभोक्तासभके मांग भेल स्थानसभके प्राथमिकता दल काठमाण्डौ उपत्यकाके बहुतरास स्थानसभमे खाद्यान्न विक्रि वितरण भरहल अछि ।

स्रोत:https://moics.gov.np/

लकडाउनके कारण सँ गर्भवतीके नियमित स्वास्थ्य परिक्षण कर आ खाय परवला आईरनके गोटी भेटनाई सेहो कठिन भेल कहैत अछि त ?

स्वास्थ्यकर्मीके सल्लाह अनुसार कम्तिमे सेहो ४ बेर (४, ६, ८ र ९ महिना) गर्भवती जाँच कराब स्वास्थ्य कार्यालय जाय परैत अछि । तेहन जनानीके आईरन फोलिक एसिडके गोटी हरेक दिन खाय परैत अछि आ प्रसौती भेलाके ४५ दिनतक खाय परैत अछि । गर्भवती जनानीके नियमित परिक्षण करेबाक व्यवस्था मिलाब आ स्वास्थ्यकर्मी सँ गर्भवतीके दोसर भेटतकके लेल पुगैक आ प्रसौती मायसभके एकेबेर ४५ गोटी आईरन फोलिक एसिड दैला कहने अछि ।

स्रोत: https://mofaga.gov.np/

स्थानीय स्तरमे स्वास्थ्य चौकी सँ कोरोनाके शंका लागल बिमारके रिफर करके काम मात्रे करैय कहैत अछि ।

अखन स्वास्थ्य चौकी, जन स्वास्थ्य केन्द्र आ प्राथमिक अस्पतालके ओत उपलब्ध भेल प्राविधिक जनशक्तिके क्षमता अनुसार शंका लगलापर कोरोना भाईरसके बिमारके परामर्श पश्चात नजिकके कोभिड अस्पतालमे परिक्षणके लेल रिफर कर के निर्देशन भेल अनुसार ई काज भेल अछि ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1Jrg02HTqN-q8KkUESCne35GreQOL199h/view

सूचनाका स्रोतहरू

नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय कोरोना भाईरस रोग (COVID – 19) सम्बन्धी स्वास्थ्य क्षेत्रको प्रतिकाय

जोन्स् होपकिन्स् कोरोना भाइरस स्रोत केन्द्र

स्वास्थ्य र जनसंख्या मन्त्रालय

कोरोना कोष सञ्चालन निर्देशिका, २०७६

कोभिड(१९ को अवस्थाअ

कृषि तथा पशुपंछी विकास मन्त्रालय

नेपाल श्रम शक्ति सर्वेक्षण

सुरक्षित हुन के गर्ने

प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय

accountabilitylab NEPAL

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमे रहल नेपाली कामदार

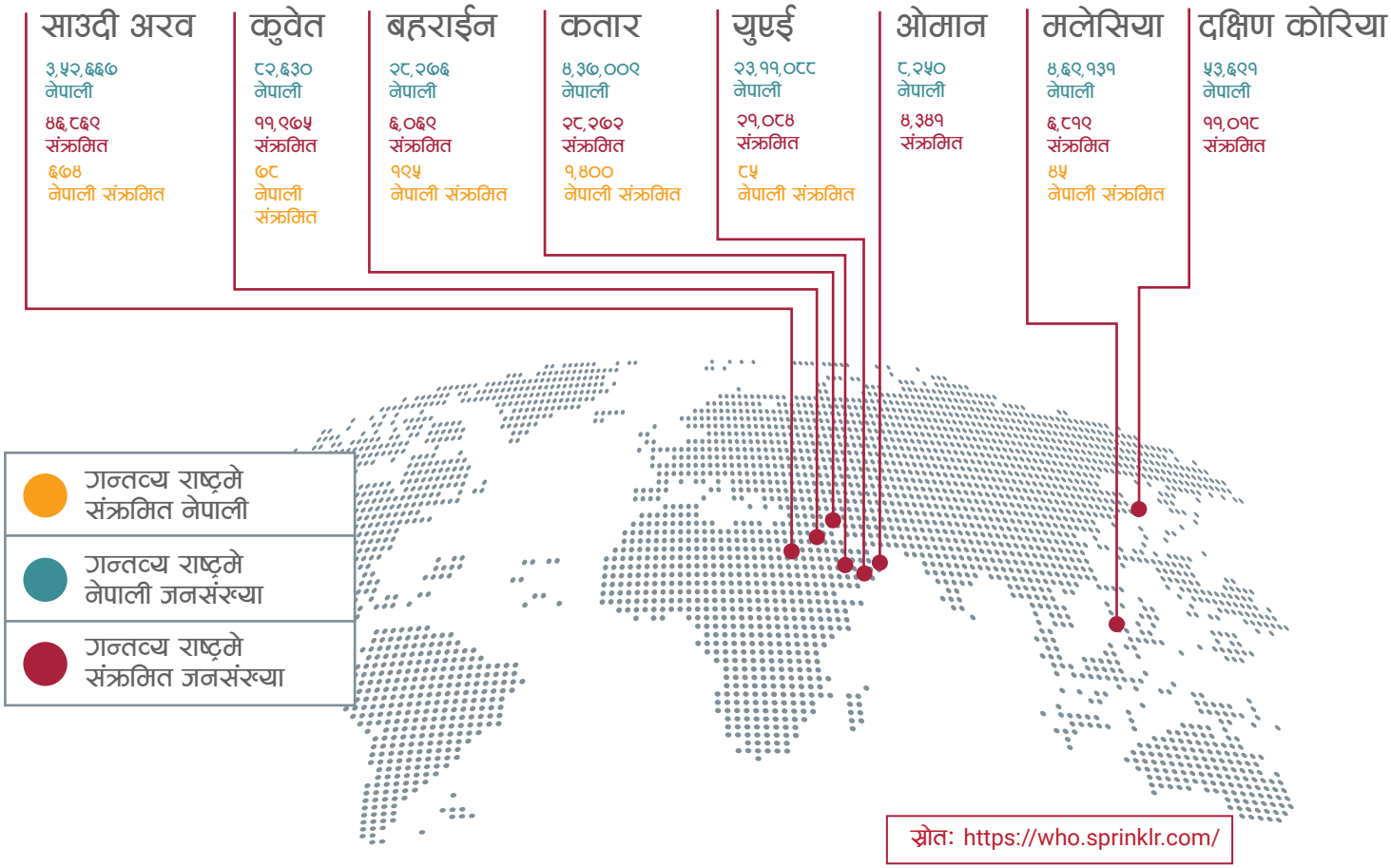

स्रोत: https://who.sprinklr.com/

ShramikSanjal

विदेशमे रहल कामदारसभके लेल महत्वपूर्ण जानकारी

यु.ए.ई.:

- मार्च १ सँ पहिले भिषाके म्याद खत्म भक जरिवाना तिर परवलासभके लेल मई १८ सँ ३ महिनातक जरिवाना नै तिर अपन देश जाय पावके निर्णय करने अछि ।
- सारजाह, अज्मान, रास अल खैमामा ड्राईभिङ स्कुलसभ फेर शुरु भेल अछि, सुरक्षाके उपायसभ अपनाबैत ड्राईभिङ लाईसेन्सके लेल ट्रायल टेस्ट देब पायत ।
- २१२ कोई विदेशी डाक्टरसभके लेल १० वर्षके भिषा देबके घोषणा करलक अछि ।

कुवेत:

कुवेत सँ देने एम्नेस्टी (आम माफी) के प्रयोग क क अखनतक ६९१८ कोई अपन देश फिर्ता गेल अछि । जाही मे सँ ईजिप्टके ४,३९० कोई, फिलिपिन्सके १,८२१ कोई, बंगलादेशी ६२९ कोई आ ईन्डोनेसियाके ७८ कोई रहल अछि । कुवेत सरकार श्रमिकसभके अपने विमान खर्चमे ओकरसभके देशतक जायके व्यवस्था मिलेलाके बादो सम्बन्धित देशके सरकार अपन देश फिर्ता आबके लेल सहयोग केने अछि ।

कतार:

मास्क नै लगाक बाहर निकलला पर जेल सजायके साथसाथे २ लाख रियालतक जरिवाना भ सकैय ।

भारत बहुतोरास देशसँ फिर्ता आनल अपन नागरिकके १४ दिन क्वारेन्टाईनमे रहके लेल भा.रु. १५,००० आ ३०,००० क २ प्रकारके होटलके विकल्प सहितके प्याकेज देने अछि । नेपाल सरकारके लेल परदेश सँ नेपाली कामदारके अपन देश लाबैला ई एकटा बढिया उदाहरण होब सकैय ।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी

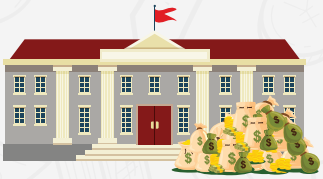

जम्मा | खर्च

तीन बेर कएक नेपाल सरकार
अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याओल गेल
करिब १ अर्व ४८ करोड
कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण,
रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमे जम्मा
करिब २ अर्व २० करोड

संघिय सरकार

कोरोना भाईरस विरुद्धके गतिविधिमे
नेपाल सरकारद्वारा कएलगेल खर्च
करिब १ अर्व ८ करोड
रक्षा मन्त्रालय माफर्त कोरोना रोकथाम
आ नियन्त्रणके लेल आवश्यक
स्वास्थ्य उपकरण किनबाक लेल
२ अर्ब ३४ करोड निकासा

दाता

ए.डि.बि.
करिब **७ अर्व २० करोड**
विश्व बैंक
करिब **३ अर्व ४८ करोड**
आई.एम.एफ.
करिब **१३ अर्व ९ करोड**
युरोपियन युनियन
करिब **९ अर्व ८० करोड**

प्रदेश	जम्मा रकम	खर्च गरिएको रकम	बाँकी रकम
प्रदेश १	करिब २८ करोड ९६ लाख	करिब १५ करोड ९ लाख	करिब १३ करोड ८७ लाख
प्रदेश २	६१ करोड	१७ करोड ७० लाख	४३ करोड ३० लाख
बागमती प्रदेश	४० करोड	२२ करोड २५ लाख	१७ करोड ७५ लाख
गण्डकी प्रदेश	करिब १५ करोड	९ करोड २० लाख	५ करोड ८० लाख
प्रदेश ५	२३ करोड ६० लाख	१३ करोड ६० लाख	१० करोड
कर्णाली प्रदेश	५० करोड	१३ करोड २० लाख	३६ करोड ८० लाख
सुदुरपश्चिम प्रदेश	करिब ४० करोड २७ लाख	२० करोड १९ लाख	२० करोड ८ लाख

नोट: ई विवरण पूर्ण नहि अछि। उपलब्ध माध्यमसँ संकलित कए राखल गेल अछि ।
आओर सही तथ्यांक संकलन कए परिमार्जन करैत जाएब ।

accountabilitylab NEPAL

कोभिड - १९ प्रतिकार्यमे जवाफदेहिता

विपदमे जखनो भी सरकारके अभिभावकके भुमिका निर्वाह कर परैत अछि । एहि समयमे जनताके सरकारके उपस्थित महसुस कराबके समय सेहो अछि । जव संकटमे सरकार अपन नागरिकप्रतिके जवाफदेहिता गुमाओत, तब सरकार नागरिकके विश्वास गुमाबैत अछि । उदाहरण खोज दूर जाय नहि परत, २०७२ सालके भूकम्प पश्चातके अवस्था एकर ठोस उदाहरण अछि । अखनके परिस्थिती ओई सँ बहुत फरक नहि अछि । तैके लेल सरकार आ जिम्मेवार निकायके निम्न १० टा बातपर ध्यान देनाई जरुरी अछि :

१. कोभिड - १९ प्रतिकार्यमे होबवला सम्पूर्ण आमदनी खर्चके विवरण सार्वजनिक करब । तैके लेल सरकारी सेवामे रहल अखनके निस्कृय जनशक्ति प्रयोग क सकैत छी ।

२. करिब ६ लाख नेपाली खाडी मुलुकसँ मात्रे स्वदेश आब खोजिरहल अछि । भारतसँ नुकाछिपी आयलासँ संक्रमण फैलके जाखिम ओतबे अछि । तैके लेल क्वारेन्टाईनके क्षमता बृद्धि क विदेशमे रहल नेपालीके सुरक्षित स्वदेश फिर्ता लाबके व्यवस्था करब दीर्घकालिन समाधानके उपाय अछि ।

३. स्वास्थ्य सम्बन्धि उपकरण खरिद प्रकृया पारदर्शी आ सामानके गुणस्तरियता सुनिश्चित क विशिष्ठिकृत निकायसँ किफायती रुपमे कर परत ।

४. विशेष कल क जोखिममे रहल वर्गके नित्य खाय रहके सुनिश्चितता कर परत ।

५. राहत वितरणमे होबवला अनियमितताके रोक निगरानी आ अनुगमनके चुस्त बनाब परत ।

६. सरकारके सूचना संयन्त्रके आरो जनमैत्री आ प्रविधिमुलक बनाब परत ।

७. संकटके बेरमे मानव अधिकारके मुद्दासभ नजरअन्दाज होबके सम्भावना बेसी होईत अछि, ताहि सँ सरोकारवाला निकायके सकृय भुमिका निर्वाह कर परत ।

८. अग्रपंक्तिमे खटल जनशक्तिके सुरक्षा साथे उचित प्रोत्साहन आ सम्मान कर परत

९. कार्यान्वयन तहमे नीति आ नैतिकताके सन्तुलन कर परत ।

१०. स्थानीय, प्रदेश आ संघिय सरकारके समन्वयात्मक काजमे जवाफदेहिता बढाब परत ।

सही सूचना

प्रभावकारी आ पारदर्शी कन्ट्याक्ट ट्रेसिङ कर परैत अछि

समुदाय स्तरमे कोभिड - १९ के संक्रमण फैलल जिलासभ

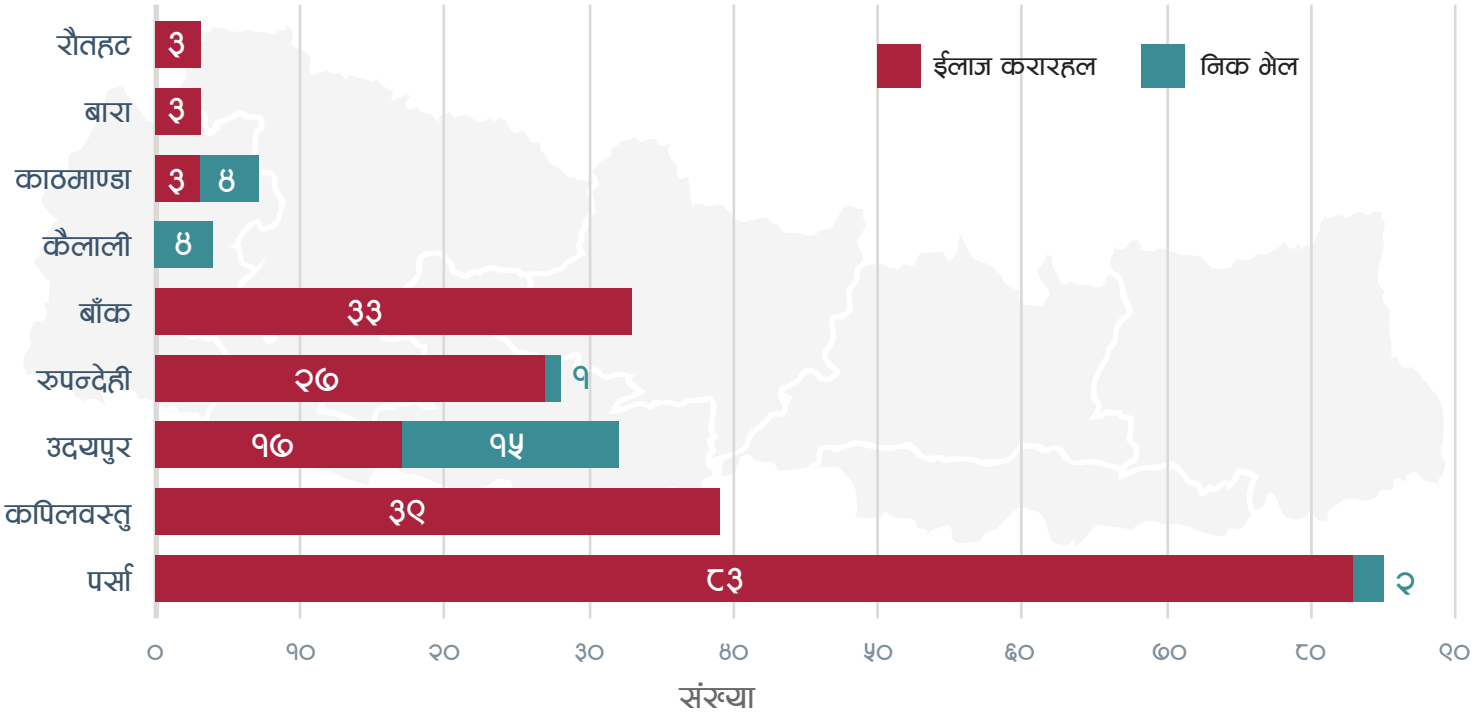

उपरका ग्राफ अखनतक नेपालक ९ टा जिलामे समुदाय स्तरमे कोभिड - १९ के संक्रमण फैलल देखाबैत अछि । समुदाय स्तरमे पहिल संक्रमण कैलाली जिलामे फैललाके बावजुद अखन उ सब पूर्णरुपसँ ठिक भलक घर जाचुकल अछि । समुदाय स्तरमे फैलवला संक्रमणके बेसी जोखिमपूर्ण मानल जाईत अछि । यदि प्रभावकारी रुपमे कन्ट्याक्ट ट्रेसिङ कर नहि सकलौ त ई भाईरस तिब्र गतिमे फैलैत जायत । नेपालके सन्दर्भमे कन्ट्याक्ट ट्रेसिङ ओते सन्तोषजनक भेल नहि देखाईत अछि, एहिमे विशेष ध्यान देनाई जरुरी अछि ।

एहि अंकमे समेटल गेल हल्ला, सवाल एवम् सूचनासभ, बहुतो संस्था, व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, आ सिभिक एक्सन टिम एहि अप्रिल महिना भितर २००० सं बेसी व्यक्तिसभसंगेके संवादसं संकलन कएलगेल छैक । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दएक हल्ला, सवाल एवम् जिज्ञासासभक चयन कएलगेल अछि । एहि अंकमे समेटल गेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल तिथितक सत्य अछि।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities

CivActs | Email: civactsnp@accountabilitylab.org | Phone: 9851203219